GOVERNMENT DR. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE SCIENCE & COMMERCE COLLEGE
Sector-H, Rajharsh Colony, Kolar, Bhopal (M.P.)- 462042
Affiliated to Barkatullah University, Bhopal (M.P.)
Contact No: - 0755-2551837, Email-ID: - hegbsccbho@mp.gov.in
Website: - http://gscbhopal.in

Ecosystem for Innovation

With the objective of self-Employment, Entrepreneurship Skill development as well as subjective expertise among students, multi fold exercises were carried out by the College. To create awareness in the aforesaid areas, the students are exposed at the multiple levels by different departments of the College. To enhance their subjective Knowledge, webinars, Seminars and lecture Series by subject experts were organised. Local excursion and tours were organized by different departments to motivate the students for Self-employment, skill development and practical Knowledge. Following departments conducted the activities under the aegis of **IQAC** to fulfil the objectives and goals, which is the need of the hour for the students.

1. Mathematics Department- The department of Mathematics Organised an expert lecture on Linear Algebra, which is helpful for the preparation of competitive exams. By local excursions practical knowledge was given to the students about Horticulture and Food Processing, a step ahead for self-employment.

2. Botany Department- To create awareness about the environment and identification of plants, which are economically and medicinally useful to mankind, local tours were organised along with expert lectures on different applied branches of the subject.

3. Chemistry Department- Manifold self-employment opportunities are associated with chemistry. With this objective, educational tours of the UG & PG Students were organised to create awareness about B to B and B to C Business, Packing, marketing and food processing unit. Besides, Expert Lectures on Electrophilic Substitution Reaction and other related topics were conducted.

4. Zoology Department- There are a plenty of opportunities of self-employment available in this subject. Educational tours were organized by the department for fish farming, Sericulture, Apiculture, vermin-composting and induced breeding areas along with organic farming. Department also Conducted expert lectures for the experiential learning to the students.

5. Physics Department- The department of Physics organised an expert lecture on Semiconductors, Insulators and doping, which is useful to develop self-employment capabilities of students.

6- Commerce Department- The department of Commerce organized Lectures on Financial Accounting and Management along with local excursion to provide practical knowledge about marketing.

7- Sociology Department- National webinar was organized by the departments of Sociology on the significance of Telemedicine during Corona Pandemic and expert lecture was conducted on the socio-economic conditions of Transgender.

8- Political Science Department- The department of Political Science organized a lecture on the Importance and concept of Independence to create awareness among students.

9- English Department- The department of English organized a lecture on Effective Communicative English with the objective of LSRW skills among students.

10- History Department- The department of History organized educational tours to make the students aware of the significance of Ancient Indian Culture and heritage.

11- Geography Department- The department of Geography organized a webinar on "Tourism-Geographical tour" and organized Geographical tours to make students aware of their Environment.

12-Home Science Department- The department of Home Science organized Webinars/Lectures/ Online Quiz Competition and Educational Tour under extension activities on the following topics-

1- Importance of Home Science in Modern Era.
2- Sericulture and Training.
3- Fulfilling Relationships.
4- Physical and Mental Illness: Reasons and Remedies.

13- Physical Education Department- The department of Physical Education organized yoga classes and expert lectures on health, fitness and nutrition.

14- Library- National webinar on 'Transformation of Libraries and Librarianship in 21st Century' was organised by the Library in the Year 2021.

Along with aforesaid activities, multiple extension activities were also organised by the college for holistic development of the students and to make them sensitive and responsible citizens.

Principal
Govt. Dr. Shyama Prasad
Mukherjee Science & Commerce
P.G. College BHOPAL (M.P.)

GANDHI GLOBAL SOLAR YATRA PHOTOS

2019

NATIONAL SEMINAR ON NEHRU JI

2019-20

Orientation Programme on Cyber Crime

International Day of Yoga

21 June

Yoga for Harmony & Peace

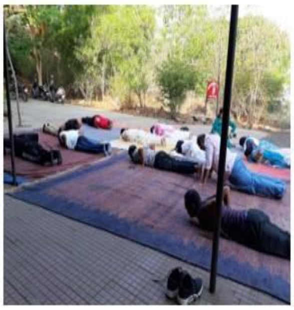

International Yoga Day
2019

12Jan 2019 suraya
Namaskar and Pranayam

Yoga Prashiksan

Certificate of Participation

This is to certify that

ROSAN YADAV

Has Participated In One Day Workshop On

Cyber Security & Ethical Hacking

Conducted by CYBROM Technology Pvt. Ltd. Bhopal (M.P.)

In Collaboration With IQAC & Chemistry Department Govt Dr Shayama Prasad Mukharjee Science & Commerce College (Old Benazeer) Bhopal

Held On 22 Nov 2019

Mr. Prasant Tiwari | Dr. Ila Jain | Dr. Saroj Shrivastava

WorkShop on Cyber Security and Ethical Hacking 22/11/2019

त्मा गांधी की 150 वीं ज

कालेज में लगाई चित्र प्रद

शासकीय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं
र महाविद्यालय पुराना बेनजीर में गांधी भवन न्यास के र
धी की 150 वीं जयंती पर एक चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। इ
'मोहन से महात्मा तक'। कार्यक्रम में आए गांधी भवन न्यास
मदेव ने बताया कि गांधी विचार को अपनाना आज की
एवं भारतीय समाज की समस्याओं का हल है। इस प्रदर्शनी से
के सभी पहलुओं को फोटो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया

T DR SHYAMA PRASAD MUKHERJEE SCIENCE & COMMEI
COLLEGE, KOLAR ROAD BHOPAL M.P.

INDUCTION PROGRAM

दिनांक	समय	इण्डक्शन हेतु विषय
8 / 07 / 2022	12:30–01:00	नई शिक्षा नीति अनुसार प्रोजेक्ट व व्यवसाि पाठ्यक्रम की जानकारी
	01:00–01:20	महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषयों की
	01:20–01:40	महाविद्यालय के अधोसंरचना की जानकारी
	01:40–02:00	महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं छा की जानकारी
9 / 07 / 2022	12:30–01:00	नई शिक्षा नीति अनुसार प्रोजेक्ट व व्यवसाि पाठ्यक्रम की जानकारी
	01:00–01:20	महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषयों की
	01:20–01:40	महाविद्यालय के अधोसंरचना की जानकारी
	01:40–02:00	महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं छा की जानकारी

– FF1 (First Floor 1)

ge IQAC Incharge Semester Cell Prin

शासकीय महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

भोपाल। शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल में मप्र उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर व प्राचार्य डॉ. सुधा बैसा के मार्गदर्शन में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिये इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा इन विषयों के क्षेत्र में भविष्य में प्राप्त किये जाने वाले रोजगारों एवं व्यवसायों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों हेतु आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नोडल अधिकारी डॉ. एसके मल्होत्रा, डॉ. सुधाशुधर द्विवेदी, डॉ. माधवीलता दुबे व डॉ. संजय तेलंग आदि द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञानवर्धक उद्बोधन दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकगण एवं

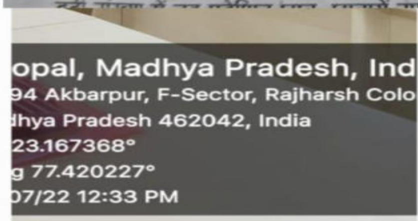

Principal
Govt. Dr. Shyama Prasad
Mukherjee Science & Comm
P.G. College BHOPAL (M.P.)

गणित विभाग

विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत MPHEQIP के तहत गणित विभाग द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता के निम्नलिखित शैक्षणिक गतिविधियां की गई।

(1) व्याख्यान का आयोजन – महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा दिनांक 12/03/2022 को स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिये "Linear Algebra" पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान डॉ. मनोज शुक्ला, विभागाध्यक्ष गणित विभाग ,उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान द्वारा दिया। व्याख्यान में 83 विद्यार्थी उपस्थित रहे। व्याख्यान विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से संबंधित था। उक्त व्याख्यान विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं यू.जी.सी.–नीट आदि के लिये भी उपयोगी रहा। विद्यार्थियों द्वारा विषय से संबंधित व्याख्यान से समस्याओं को भी दूर किया गया।

(2) शैक्षणिक भ्रमण – महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा एम.एससी. द्वितीय सेमेस्टर एवं एम.एससी. चर्तुथ सेमेस्टर के 32 विद्यार्थियों द्वारा दिनांक 14/03/2022 को फल अनुसंधान केन्द्र, ईंटखेड़ी भोपाल, शैक्षणिक भ्रमण हेतु गये। विद्यार्थियों द्वारा फल अनुसंधान केन्द्र में लागत एवं उत्पादन के सांख्यिकीय डाटा का विश्लेषण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा फल अनुसंधान केन्द्र में विभिन्न प्रकार के फलों (अमरूद, आम आदि।) की किस्मों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। उक्त फसल कम लागत से कैसे प्राप्त की प्राप्त की जा सकती है, इसकी जानकारी भी केन्द्र निदेशक द्वारा दी गई। विद्यार्थियों द्वारा फल अनुसंधान केन्द्र के Food Processing Unit का भी भ्रमण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को स्वरोजगार कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इसकी जानकारी भी केन्द्र निदेशक से प्राप्त की गई, उपरोक्त शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिये लाभकारी साबित हुआ।

समाजशास्त्र विभाग

(1)राष्ट्रीय वेबीनार– समाजशास्त्र विभाग द्वारा वर्ल्ड बैंक समिति और आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवासीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन 30 व 31 जुलाई 2021 को संपन्न हुआ। वेबीनार का विषय “Importance of Telemedicine in Present Times” था। मुख्यवक्ता Dr. Prithwis Bhattacharya ने अपना उद्बोधन प्रारंभ किया अपने वक्तव्य में इस बात पर प्रकाश डाला की वर्तमान में जबकि भारतीय समाज में जनसंख्या के अनुपात में चिकित्सा सुविधाओं की कमी और उन तक पहुंच भी सीमित है तब Telemedicine किस तरह लोगों को सहायक हो सकती है। इस बात को केन्द्रीत करते हुये Dr. Prithwis Bhattacharya ने कोरोना काल में उत्पन्न स्थितियों का हवाला देते हुये Telemedicine के महत्त की चर्चा की। Telemedicine के उपयोग की बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुये डॉ. गुप्ता ने इस बात पर बल दिया कि मनोरोगियों और चर्मरोग से संबंधित रोगी जो किसी की उपस्थिति में प्रायः अपनी बात ठीक से नहीं रख पाते ऐसे रोगियों को Telemedicine बहुत लाभदायक है। द्वितीय दिवस के प्रथम वक्ता Dr. Mahim Koshariya ने अपने उद्बोधन में Telemedicine के इतिहास पर प्रकाश डालते हुये अपनी बात प्रारंभ की। चिकित्सा विज्ञान और Digital Technology के सम्मिलित प्रयोग से 20 वीं सदी के प्रारंभ में चिकित्सा की इस आधुनिक विधा के क्षेत्र एवं महत्व पर व्यापक प्रकाश डाला। Telemedicine के बेहतर उपयोग एवं चिकित्सा प्रबंधन में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला ''आरोग्य सेतु'' ऑनलाइन हेल्थ चेकअप, लेगटेस्ट हेतु बुकिंग अपोलो हास्पिटल द्वारा वीडियो कंसलटेंसी देना जैसे कार्यों में तेजी से प्रगति हुई।

(2)आनलाइन व्याख्यान– समाजशास्त्र विभाग द्वारा रूसा एवं वर्ल्ड बैंक कमेटी के सहयोग से ऑनलाइन लेक्चर का आयोजन दिनांक 13.03.2022 को सांय 03:00 से 04:30 तक आयोजित किया गया। व्याख्यान का विषय Analysis of the socio economic conditions of Transgender रखा गया व्याख्यान हेतु डॉ. राम भरोसे (सहायक प्राध्यापक हिन्दी) शासकीय महाविद्यालय पोखरी, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड, से अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता थे महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय तैलंग, वर्ल्ड बैंक कमेटी प्रभारी डॉ. कीर्ति जैन, कार्यक्रम की संयोजक डॉ.इला जैन के अलावा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण व विद्यार्थी सम्मिलित हुये 40 से अधिक लोगों ने व्याख्यान में अपनी उपस्थिति दर्ज की ट्रांसजेंडर की सामाजिक समस्याओं सामाजिक पूर्वाग्रहों व उनकी आर्थिक स्थिति के पीछे के कारणों पर गण एवं सूक्ष्म दृष्टि से प्रकाश डाला गया विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब भी दिया गया प्राचार्य महोदय के द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन के पश्चात् डॉ. एस.के.मल्होत्रा द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

(3)शैक्षणिक भ्रमण – दिनांक 14/03/2022 को महाविद्यालय समाजशास्त्र विभाग से 10:30 बजे शैक्षणिक भ्रमण हेतु दल खाना हुआ। जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. माधवीलता दूबे सह प्राध्यापक डॉ. हरनीत चीमा एवं श्रीमती नीलिमा चटर्जी सहायक प्राध्यापक के स्नातकोत्तर कक्षाओं से 35 विद्यार्थी सम्मिलित हुये। शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्राचीन भारतीय समाज में जीवन की शुरूआत के साथ सामाजिक संबंधों कला और संस्कृति को समझाना इस हेतु भीम बेटिका का भ्रमण किया गया। इसके पश्चात् क्रमशः विकास की स्थिति को समझाने ग्रामीण नगरीय सांतत्य का अध्ययन करने, सामाजिक पुनर्निर्माण का अध्ययन करने नगर से निकट ग्राम बिलकिसगंज को देखा एवं शासकीय और गैर शासकीय प्रयासों से हो रहे सामाजिक परिवर्तन को समझने का प्रयास किया। नगरीय नियोजन में पानी की सप्लाई एक महत्वपूर्ण भाग होती है। विकास की स्थिति को समझने ग्रामीण नगरीय सांतत्य का अध्ययन करने स्थानी तल संसाधन स्त्रोत के रूप में केरवा डैम को देखा।

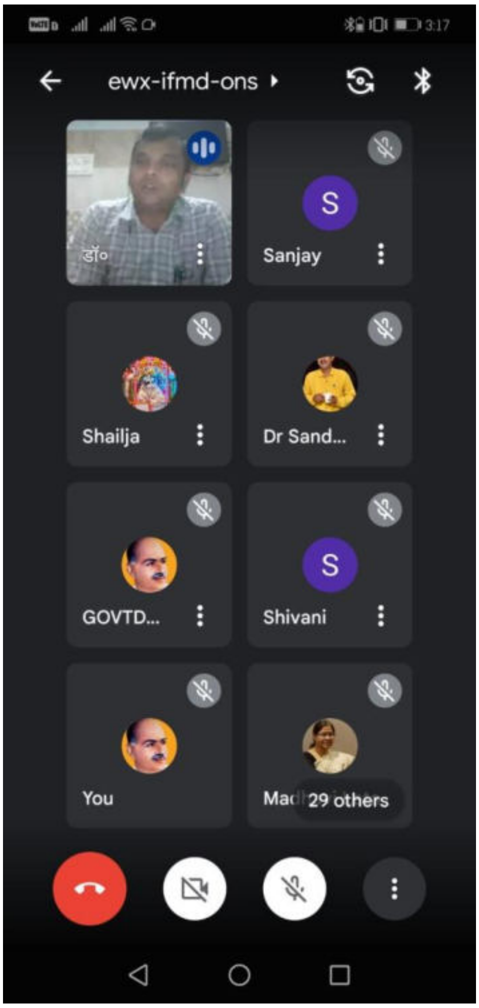
ewx-ifmd-ons
Sanjay
Shailja
Dr Sand...
GOVTD...
Shivani
You
29 others

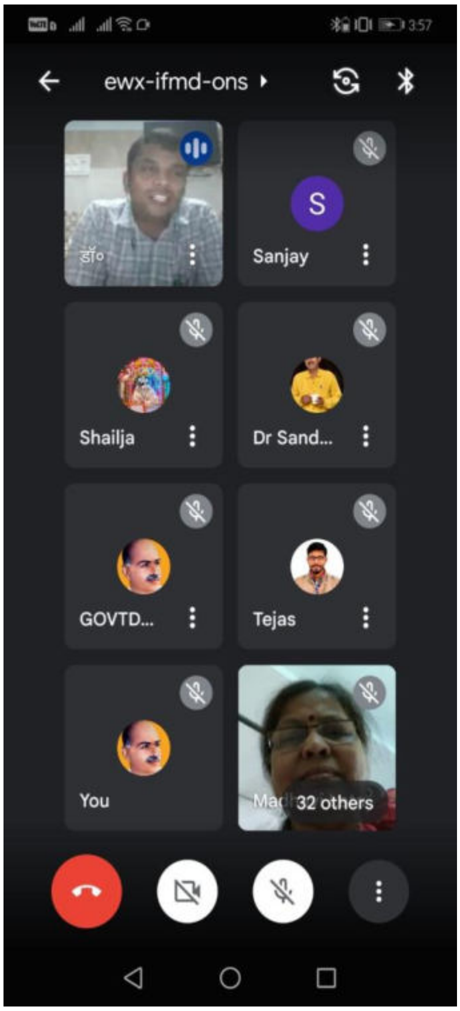
ewx-ifmd-ons
Sanjay
Shailja
Dr Sand...
GOVTD...
Tejas
You
32 others

वनस्पति विभाग

(1) शैक्षणिक भ्रमण– एमपीएचईक्यूआईपी की योजना के तहत वनस्पति शास्त्र विभाग ने अकादमिक उत्कृष्टता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में बदलते चलन के साथ छात्रों को अद्यतन करने के लिए शैक्षिक भ्रमण अतिथि व्याख्यान और वेबिनार का आयोजन किया गया। भीमबेटका को शैक्षिक भ्रमण के लिए चुना गया था, ताकि छात्रों को वन वृक्षों एवं उनके नामकरण और पहचान के बारे में जागरूक किया जा सके। वर्गीकरण जो छात्रों के लिए बहुत कठिन प्रतीत होता है एवं उन्होंने जीवे स्थिति में पौधों के वर्गीकरण संबंधी विवरणों का अध्ययन किया। आच्छादन पत्ती संरचना और अन्य आकारिकी विशेषताओं, छाल के प्रकार आदि के आधार पर पौधों की पहचान के लिए मानदंड का पता लगाया गया था विद्यार्थियों ने विभिन्न पेड़ों को उनके वानस्पतिक नाम जैसे सागौन तेंदु पापरा कल्टबर दूधी, इंद्राजौ, साज, साल, बांस जैसे वृक्षों को प्रकृति में देखा तथा घेरिया आदि की पहचान की । उनका भ्रमण 12 मार्च 2022 को विशेष रूप से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था। करीब 45 विद्यार्थी पांच संकाय सदस्यों के साथ बस से भीमबेठका गए और पौधों की दुनिया में छात्रों की जिज्ञासा को बढ़ाने का दौरे का उद्देश्य पूरा हुआ।

(2) ऑनलाइन व्याख्यान– 15, 16 और 17 मार्च 2022 को अतिथि व्याख्यान का आयोजन विद्धत प्रोफेसर्स द्वारा दिया गया। इस कड़ी में 15 मार्च को डॉ. नसरीन सिद्धीकी द्वारा ''पारिस्थितिकी तंत्र के पुनः स्थापन'' पर व्याख्यान दिया जिसमें उन्होने पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने वाले कारकों को विस्तार से बताया तथा उनके पुनः स्थापन के लिये किये जाने वाले प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। इस व्याख्यान से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं उत्सुकता जाग्रत हुई। अगली कड़ी में दिनांक 16 मार्च को डॉ. नसरीन सिद्धीकी द्वारा पादपों की पहचान के लिये पुष्पीय पौधें के वर्गीकरण की प्रणाली तथा लुप्त प्रायः और संकट ग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल डाला तथा पादपों की पहचान हेतु सरल फील्ड टिप्स दीं। विद्यार्थी इस व्याख्यान से अत्यन्त लाभान्वित हुये। इसी क्रम में दिनांक 17 मार्च को ''पुष्पीय पौधों के वर्गीकरण प्रणाली के बदलते प्रतिमान'' विषय पर केंद्रित व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होने प्रणाली विशेतः आणविक स्तर पर, विशेष रूप से बताया। इस तरह इन व्याख्यानों के माध्यम से सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों के ज्ञान को सरल एवं रोचक तरीके से बढ़ाने में मदद की तथा वर्गिकी की आधुनिक विधियों के प्रति विद्यार्थियों का रूझान एवं जागरूकता पैदा की।

इन व्याख्यानों तथा शैक्षिणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों की विषय के प्रति रूचि जाग्रत हुई तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को जाने में बहुत मदद मिली।

भौतिक विभाग

(1) सेमीनार– 15 मार्च 2022 को भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार में डॉ. बी.के.सिन्हा प्राध्यापक भौतिकशास्त्र विभाग उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल ने अद्र्धचालक (Semi-Conductor) पर व्याख्यान दिया। उन्होनं बताया कि (Semi-Conductor) Conductor एवं Insulater के बीच में कार्य करते है। इनकी चालकता चालक एवं कुचालक के बीच की होती है। मुख्यतः जर्मेनियम एवं सिलिकान अद्र्धचालक होते है। सिलिकान ही ICS को बनाता है। सिलिकान चिप ही सिलिकान से बने IC को छोटासा हिस्सा है। सिलिकन, जर्मेनियम, कैडमियम सल्फाइड, गैलिनियम आर्सेनाइड, इत्यादि अर्धचालकों के कुछ उदाहरण हैं। अर्धचालकों में चालन बैण्ड तथा संयोजन बैण्ड के बीच एक बैण्ड गैप होता है। जिसका मान 0 से 6 इलेक्ट्रान बोल्ट के बीच होता है। ताप बढ़ाने पर अद्र्धचालकों की विद्युत चालकता बढ़ाती है। यह गुण चालकों के उल्टा है। इसके अलावा नियंत्रित मात्रा में अशुद्धियों डालकर अद्र्धचालकों की चालकता का कम था अधिक बनाया जा सकता है। इन अशुद्धियों को मिलाने की प्रक्रिया को doping कहते है। Doping करके डायोड, ट्रांजिस्टर ICS का निर्माण किया जाता है। इनकी चालकता को बाहर से लगाये गये विद्युत क्षेत्र या प्रकाश के द्वारा ही परिवर्तित किया जा सकता है। यहां तक कि इनकी विद्युत चालकता को तान कर या दबाकर भी बदला जा सकता है। अद्र्धचालक युक्तियों के निर्माण में सिलिकान (SI) का सबसे अधिक उपयोग होता है। इसके मुख्य गुण है कच्चे माल की कम लागत, निर्माण में आसानी और व्यापक तापमान परिचालन सीमा। बी.एससी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष भौतिकशास्त्र के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने सेमिनार को सुना एवं वह इससे लाभन्वित हुये। भौतिकी विभाग ने दिनांक 11 एवं 12 अगस्त को Role of ICT in Online teaching, learning & evaluation पर Online Webinar कराया। यह विश्व बैंक के द्वारा प्रायोजित था। इसे ळववहसम उममज पर आयोजित किया गया था। इसमें चार वाक्ता थे। सर्वप्रथम प्रो. अनुज हुण्डैत (प्राध्यापक भौतिकी) उत्कृष्टता संस्थान ने Smart teaching पर व्याख्यान दिया। द्वितीय व्याख्यान प्रो. प्रज्ञेश अग्रवाल प्राध्यापक (भौतिकी) उत्कृष्टता संस्थान ने MOOCS पर व्याख्यान दिया।

तृतीय व्याख्यान प्रो. अमित जैन ने टंतपवने उवकम व िवदसपदम जमंबीपदह पर व्याख्यान दिया। चर्तुथ व्याख्यान डॉ. सत्येन्द्र जैन ने Online teaching and examinations on google plateform पर व्याख्यान दिया। सभी व्याख्यान में व्दसपदम अध्ययन के तरीके व फायदे भी बताये गये। प्राकृतिक आपदा था आपातकाल की स्थिति में व्दसपदम अध्ययन की प्रक्रिया का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह बहुत सुविधाजनक है। आप क्लासरूप की तरह से आप यहां पर भी एक दूसरे सवाल जवाब कर सकते है। बी.एससी. प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष भौतिकी के 100 से भी अधिक छात्रों ने वेबिनार को सुना एवं लाभान्वित भी हुये।

प्राणीशास्त्र विभाग

(1) शैक्षणिक भ्रमण– विश्व बैंक के एकेडमिक एक्सीलेंस के तहत सत्र 2021–2022 में शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल के प्राणीशास्त्र विभाग के एम.एससी. के 50 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण गतिविधि के अंतर्गत वन्य जीव विविधता एवं संरक्षण एवं मत्स्य पालन के तहत चयनित भ्रमण केन्द्र मत्स्य संचानालय फिश फार्म भदभदा रोड, भोपाल तथा वन विहार भोपाल पर दिनांक 12/03/2022 को भ्रमण कराया गया। मत्स्य केन्द्र पर उपस्थित डॉ. संजय व्यास फिशरीज़ अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न फिश स्पीशीज़, उनके प्राकृतिक एवं आर्टिफिशियल कल्चर, Culture methods, Induced breeding, Artificial breeding एवं Hybridization तकनीक, विशेष रूप से Indigenous Carp Fishes के कल्चर, प्रोडक्शन, कलेक्शन, ट्रासर्पोटेशन एवं मार्केटिंग के महत्व को समझाया। Endangered Species महाशीर मछली का संरक्षण केन्द्र पर कैसे करते है, विस्तार से विद्यार्थियों को समझाया गया। इस भ्रमण से विद्यार्थी मत्स्य पालन से रोजगार व व्यवसाय से आय का एक बड़ा स्त्रोत निर्मित करने की दिशा में सोच सकते हैं। वन विहार भोपाल में शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी को विभिन्न वन्य जीव के बारे में बताया गया। विभिन्न वन्य जीव जैसे बाघ, शेर, हिरन, स्नेक पार्क, क्रोकोडाईल पार्क, तितली उद्यान एवं वन्यप्राणी संग्राहलय का अवलोकन कराया तथा वन्य जीव के संरक्षण के बारे में जानकारी दी गयी। इस भ्रमण से एम.एससी. के विद्यार्थी अपनी शिक्षा को रोजगार के माध्यम से जोड़ सकते है। वातावरण में सम्पूर्ण जैविक सन्तुलन को बनाने के लिये व्यक्ति का वन्य प्राणियों व उनके संरक्षण के बारे में जागरूक होना काफी महत्व रखता है।

(2) वेबीनार– प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा दिनांक 14/03/2022 को Online Lecture कराया गया। प्रथम सत्र में डॉ. राजेश सक्सेना सीनियर वैज्ञानिक मेपकास्ट भोपाल के द्वारा "Applied Zoology-Organic Farming a way for climate change, mitigation a green Entrepreneurship" पर व्याख्यान दिया गया। जिसमें विद्यार्थियों को Organic Farming के बारे में, जैविक खाद का कृषि उत्पादन पर, Climate पर होने वाले लाभ बताये। Organic Manure से उत्पादित बीज, अनाज, फल, सब्जी का उत्पादन मानव स्वास्थ्य के लिये लाभदायक होता है। कृषि के आधुनिक उपाय एवं Organic Farming से होने वाले उत्पादन का बाजार मूल्य भी अधिक प्राप्त होता है एवं उससे आय भी अच्छी होती है। यह लेक्चर विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा स्त्रोत एवं आधुनिक Organic खेती के प्रति जागरूकता भी देता है। द्वितीय सत्र में डॉ. एन. गणेशन Consultant Oncogenetics Head & Senior Scientist, Department of Research, Jawahar Lal Nehru Cancer Hospital JNCH Bhopal के द्वारा Covid 19 vs Supportive Therapy पर व्याख्यान दिया गया। कोविड से कैसे बचे, कोविड से उबरने एवं कई प्राकृतिक remedies के द्वारा कोविड से कैसे जीते। डॉ. गणेशन ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक therapy बताई जिसमें तेजपत्ता, दालचीनी काली मिर्च, तुलसी से चाय बनाये ये immunity को बढ़ता है। विभिन्न प्राकृतिक मौसमी फल जैसे पीच, आलूबुखारा, बेरी मौसम में खाने से स्वास्थ्य ठीक रहता है। Covid awareness programme से कोविड के बचाव पर विद्यार्थी को अद्भूत व्याख्यान दिया। हमारी प्राकृति ही हमारा स्वास्थ्य का ध्यान रखती है। इस तरह विद्यार्थी को कोविड के साथ अन्य बीमारी जैसे कैंसर/शुगर से बचने के प्राकृति remedies बतायी गयी। यह व्याख्यान विद्यार्थी के साथ प्राध्यापकों के लिये भी लाभदायक रहा।

Bhopal, Madhya Pradesh, India
F-294 Akbarpur, F-Sector, Rajharsh Colony,
Pradesh 462042, India
Lat 23.167302°
Long 77.420381°
12/03/22 04:51 PM

GPS Map Camera
Bhopal, Madhya Pradesh, India
BX/86, Road, F-Sector, Rajharsh Colony, Uma Vihar, Bhopal, Madhya Pradesh

One District one Product
1.Low Hb Count
2.Low Platelets counts
3.High D-dimer

हिन्दी विभाग

(1) ऑनलाइन व्याख्यान– महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 16.03.2022 को, डॉ. नीलिमा वर्मा ,प्राध्यापक विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, शासकीय माध्व महाविद्यालय, उज्जैन का व्याख्यान ''संचार, कौशल के अंतर्गत : हिन्दी की वर्तमान स्थिति'' विषय पर को ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।

हिन्दी की वर्तमान स्थिति का विशलेषण करते हुये विषय विशेषज्ञ ने हिन्दी में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की, उन्होने बताया कि हिन्दी विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है एवम् संचार कौशल के समस्त साधनों, अन्तरराष्ट्रीय मंच एवम् विभिन्न संस्थाओं में हिन्दी का प्रयोग निरन्तर बढ़ रहा है। हिन्दी विषय में अध्ययन उपरांत शासकीय, अशासकीय, व्यापारिक जगत एवम् विदेशों में स्थित हिन्दी संस्थानों में रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही पत्रकारिता, अनुवाद तथा रचनात्मक लेखन में रोजगार की असीमित संभावनायें है। संचार कौशल की दक्षता हेतु उन्होने छात्रों को प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता पर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन करते हुये उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। डॉ. मीनू चतुर्वेदी ने विषय विशेषज्ञ का परिचय दिया एवम् डॉ. संगीता गुप्ता, ने आभार व्यक्त किया। प्रभारी प्राचार्य, डॉ. संजय तेलंग ने ऑनलाइन जुड़कर डॉ. नीलिमा वर्मा का महाविद्यालय की ओर से स्वगत किया।

अंग्रेजी विभाग

(1) वेबीनार– विश्व बैंक परियोजना के एकेडमिक एक्सीलेंस के तहत अंग्रेजी विभाग द्वारा डॉ. ज्ञान सिंह गौतम ने "Effective Communicative English" पर ज्ञानवधर्न तथा अंग्रेजी भाषा के संवधर्न के महत्वपूर्ण आयामों के पारिभाषिक शब्द कौशल पर व्याख्यान दिया। जिससे प्रभावी संचार कौशल के लिये महत्वपूर्ण LSRW (Listing, Speaking, Reading, Writing) पर विशिष्ट रूप से बातचीत की। इस व्याख्यान से समस्त विद्यार्थी सीधे रूप से लाभान्वित हुये क्योंकि अंग्रेजी भाषा हमारे विद्यार्थियों के लिये अब तक फॉरेन लैंग्वेज के रूप में पढ़ी–पढ़ाई जाता है। अंग्रेजी भाषा के संवधर्न से संचार कौशल किया जाता है। समस्त विद्यार्थियों के विकास में सहायक है। इस व्याख्यान ने उसे खोला, उन्होने अंत में अपनी सारी जिज्ञासाओं को प्रश्न के माध्यम से जाना।

इस व्याख्यान का आयोजन विभाग की डॉ. प्रज्ञा रावत और डॉ. आशा वाधवानी ने किया। व्याख्यान में प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय तैलंग, विश्व बैंक प्रभारी डॉ. कीर्ति जैन तथा संयोजक डॉ. इला जैन सहित सभी प्राध्यापकों ने भाग लिये।

राजनीतिशास्त्र विभाग

(1) ऑनलाइन व्याख्यान– महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के अंतर्गत दिनांक 19/03/2022 को छात्रों के प्रबोधन हेतु ''स्वतंत्रता की अवधारणा'' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान/कार्यशाला का ऑनलाईन आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में उक्त कार्यक्रम में डॉ. चित्रा प्रभात, प्राध्यापक शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी ने जुड़कर विषय के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किये।

अपने उद्बोधन में मुख्य वक्ता ने कहा कि स्वतंत्रता का अर्थ बिना रोक टोक अपनी शक्तियों का उचित उपयोग करना परन्तु समाज के अन्य सदस्यों के वैसे ही कार्यों में बाधा न डालना। स्वतंत्रता के सही उपयोग के लिये वोघ्गम्यता एवं विचार शीलता अति आवश्यक है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय तेलंग, वर्ल्ड बैंक समिति प्रभारी डॉ कीर्ति जैन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. इला जैन के अलावा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुये। व्याख्यान में 45 से अधिक लोगों ने अपनी उपस्थित दर्ज की। विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान किया गया। प्राचार्य महोदय, के द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन तथा डॉ. एस. के. मल्होत्रा द्वारा कार्यक्रम में जुड़े सभी अतिथियों एवं छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

वाणिज्य विभाग

(1) वेबीनार– वर्ल्ड बैंक के अंतर्गत दिनांक 17/03/2022 को समय 02:00 बजे महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में "Financial Accounting & Management पर व्याख्यान डॉ. अशोक कुमार नेमा ,प्राध्यापक शासकीय सरोजनी नायडू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल द्वारा एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर एव बी.कॉम. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को दिया। डॉ. नेमा जी ने ''लेखांकन और प्रबंधन'' संबंधित बारिकियों को बताया तथा विद्याथियों द्वारा पूर्ण रूची से व्याख्यान का लाभ लिया। लेखांकन के अंतर्गत एकल प्रविष्टि प्रणाली एवं दोहरा लेखा प्रणाली को विस्तार पूर्वक बताया। आधुनिक बाजार को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के वितरण प्रवाह को विस्तार से समझाया।

(2) शैक्षणिक भ्रमण– महाविद्यालय के स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर चतुर्थ के विद्यार्थियों ने वर्ल्ड बैंक के अंतर्गत अमूल कंपनी की फक्ट्ररी में शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत दूध, दही मठा आदि सामग्री उपभोक्ता तक पहुंचती उससे सम्बंधित पूरी कार्यशैली को ध्यान से देखा एंव समझा शैक्षणिक भ्रमण 17/03/2022 को सम्पन्न हुआ।

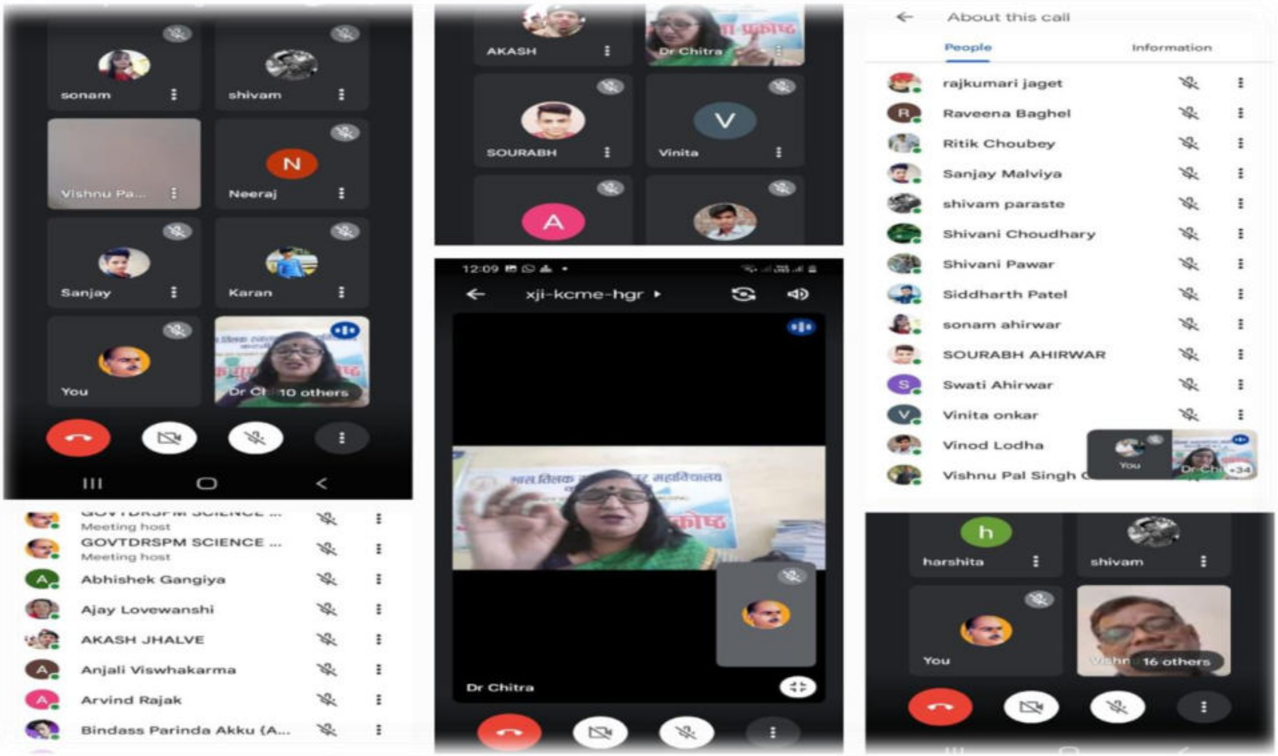

sonam
shivam
Neeraj
Sanjay
Karan
You
10 others
AKASH
Dr Chitra
SOURABH
Vinita
12:09
xji-kcme-hgr
Dr Chitra
About this call
People
Information
rajkumari jaget
Raveena Baghel
Ritik Choubey
Sanjay Malviya
shivam paraste
Shivani Choudhary
Shivani Pawar
Siddharth Patel
sonam ahirwar
SOURABH AHIRWAR
Swati Ahirwar
Vinita onkar
Vinod Lodha
harshita
shivam
You
16 others
GOVTDRSPM SCIENCE ...
Meeting host
Abhishek Gangiya
Ajay Lovewanshi
AKASH JHALVE
Anjali Viswhakarma
Arvind Rajak

क्रीड़ा विभाग

(1) राष्ट्रीय वेबीनार– क्रीड़ा विभाग द्वारा MPHEQIP के अंतर्गत दिनांक 17/03/2022 को ऑनलाईन लेक्चर का आयोजन किया गया। इस लेक्चर के प्रख्यात वक्ता डॉ. बप्पा मल्लीक, सीनीयर डायरेक्टर ऑफ यूथ वेलकेयर, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता थे। उन्होनें "Health & Fitness"" विषय पर अपना लेक्चर दिया। इस लेक्चर में महाविद्यालय के स्टॉफ के साथ विद्यार्थियों ने भी सहभागीता की। डॉ. बप्पा मल्लीक ने अपने लेक्चर में Health, Fitness, Body Composition, Nutrition, Fat cell, Weight management, Fitness & Immunity, What to do in daily basis to maintain fitness इत्यादी विषयों पर चर्चा की। उनका लेक्चर बहुत ही ज्ञानवर्धक था। इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है कि किस तरह वे अपने स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ा सकते है। इस तरह के लेक्चर का आयोजन भविष्य में भी अगर किया जाये तो छात्रों को काफी फायदा मिलेगा।

डॉ. बप्पा मल्लीक ने निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा की–

1. **स्वास्थ्य क्या है ?** – किसी व्यक्ति की मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य करते हैं। स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है।
2. **स्वास्थ्य के प्रकार** – शारीरिक स्वास्थ्य (Physical Health)
   मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health)
   सामाजिक स्वास्थ्य (Social Health)
3. **शारीरिक स्वास्थ्य (Physical Fitness)** के अंतर्गत दो संबंधित अवधारणाएं होती है। सामान्य स्वस्थता (स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती की एक स्थिति) और विशिष्ट स्वस्थता (खेल या व्यवसायों के विशिष्ट पहलुओं को करने की योग्यता।
4. **Fitness क्यों जरूरी है ?–** रोग प्रतिरोधक क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर लंबे और स्वस्थ जावन जीने के लिये Fitness हमारे लिये महत्वपूर्ण है।
5. **न्यूट्रिशयन क्या होता है ?–** स्वास्थ्य और विकास के लिये आवश्यक भोजन प्रदान करने या प्राप्त करने की प्रक्रिया।
6. **न्यूट्रिशयन कितने प्रकार के होते है ?–**
   प्रोटीन (Protein)
   विटामिन (Vitamin)
   मिनरल (Mineral)
   कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate)
   वसा (Fat)
   पानी (Water)
7. **Body Composition**– Body Composition एक ऐसी विधि है जिससे जाना जा सकता है कि हमारा शरीर कौन–कौन सी चीजों से मिलकर बना है। वैसे तो हमारा शरीर पानी, फैट, प्रोटीन और मिनरलस् से बना होता है। लेकिन इसे आसानी से समझने के लिये दो भागों में बांटा जाता है।

   Fat Mas (FM): शरीर में पाये जाने वाले सम्पूर्ण Fat को Fat Mas (FM) के अंतर्गत रखा गया है।

   Fate Free Mas (FFM): इसके अंतर्गत मांसपेशियों, हड्डियों, पानी, आन्तरिक ऑर्गन्स् और अन्य ऊतक आते हैं।

व्याख्यान में प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय तैलंग, विश्व बैंक प्रभारी डॉ. कीर्ति जैन तथा संयोजक डॉ. इला जैन सहित सभी प्राध्यापकों ने भाग लिये।

रसायनशास्त्र विभाग

अकादमिक उत्कृष्टता MPHEQIP के अंतर्गत सत्र 2021–22 में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा छात्रहित को दृष्टिगत रखते हुये कार्यक्रम आयोजित कराये गये।

(1) व्याख्यान माला– विभाग द्वारा 15 दिसंबर 2021 से 17 दिसंबर 2021 तक व्याख्यान माला का आयोजन कराया गया। इस तीन दिवसीय व्याख्यान माला में प्रथम दिन डॉ. नीलम दुबे, प्राध्यापक, शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय ने "Molecular Symmetry" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय दिवस 16/12/2021 को डॉ. सुमन मलिक, प्राध्यापक साधु वासवानी महाविद्यालय, भोपाल द्वारा NMR Spectroscopy पर व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान माला ें आखिरी दिन 17/12/2021 को शासकीय एम.एल.बी. महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. भारती जैन ने "Infra Red Spectroscopy" विषय पर व्याख्यान दिया एवं विद्यार्थियों से चर्चा की, विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इस व्याख्यान माला में भागीदारी की तथा अपना ज्ञानवर्धन किया एवं इसे सफल बनाया।

(2) शैक्षणिक भ्रमण– एकेडमिक एक्सीलेंस के अंतर्गत दिनांक 14/03/2022 को शैक्षणिक भ्रमण हेतु विद्यार्थियों को ''फल अनुसंधान केन्द्र'' ,ईंटखेड़ी ले जाया गया। इस एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने फल के बगीचों का भ्रमण किया तथा आम और अमरूद की विभिन्न किस्मों से अवगत हुये। विद्यार्थियों ने Food Processing Unit का भी भ्रमण किया तथा Food Processing and Procuration तकनीक के बारे में जाना। आज के समय में Pendemic period के बाद विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपने कॅरियर की संभावनायें देखते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुये महाविद्यालय ने रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों को फल अनुसंधान केन्द्र एवं शोध संस्था ईंटखेड़ी का शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने Food Processing के Different Stages एवं उनकी packing marketing के बारे में जाना, इस Unit को लगाकर कैसे B to B या B to C Busniess किया जा सकता है। इसकी भी जानकारी प्राप्त की इस Field में आगे और कौन–सी Research की संभावनायें हैं तथा Product की Quality को कैसे Impressive किया जा सकता है इसकी भी जानकारीह विद्यार्थियों ने प्राप्त की।

(3) व्याख्यान माला–रसायन शास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 15 से 17 मार्च 2022 तक एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञ डॉ. अल्का प्रधान प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र एम.व्ही.एम. भोपाल ने Reaction Mechanism अभिक्रिया की क्रियाविधि पर व्याख्यान दिया, आपने कार्वनिक रसायन की महत्वपूर्ण पांच अभिक्रियाओं साथ Reactive Specious different mode of mechanism process को विस्तार से समझाया। द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञ डॉ. अल्का प्रधान द्वारा Electrophilic substitution Reaction & its mechanism, path & Reactive species के साथ SE1, SE2, SEi mechanism के steriospecithe features के बारे में जानकारी दी। तृतीय दिवस में डॉ. अनीता चौबे , प्राध्यापक शासकीय एम.एल.बी. महाविद्यालय भोपाल द्वारा Different Name Reactions feature समझाये। इस पूरे व्याख्यान माला में विभाग के प्राध्यपकों के साथ–साथ कुल 200 विद्यार्थी लाभान्वित हुये।

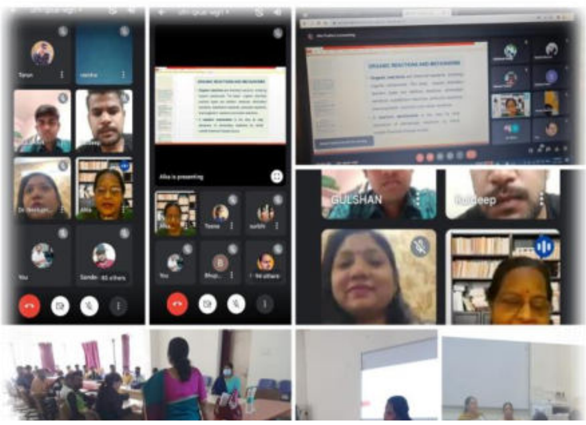
GULSHAN

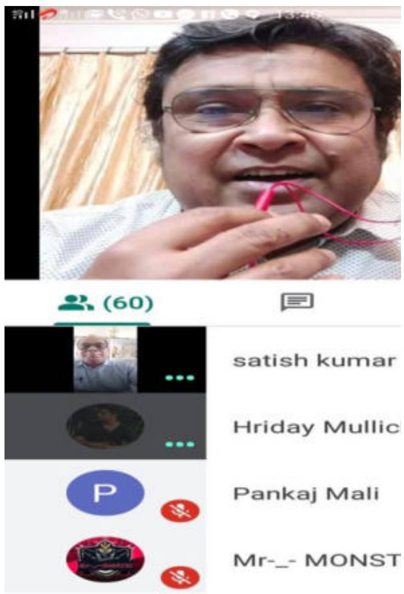
(60)
satish kumar
Hriday Mullic
P
Pankaj Mali
Mr-_- MONST

इतिहास विभाग

(1) वेबीनार– इतिहास विभाग द्वारा दिनांक 17 मार्च 2022 को एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन केवल्यधाम योग प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक श्री संदीप दीक्षित के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। ऐतिहासिक रूप में योग हमारे समाज में बहुत पुरानी संस्कृति एवं धरोहर है। व्यवहारिक स्तर पर योग शरीर, मन और भावनाओं संतुलन और सांजस्य स्थापित करने का एक साधन है। योग के साक्ष्य सिंधु घाटी, वैदिक सभ्यता, बौद्ध और जैन दर्शन में किसी न किसी रूप में प्राप्त हुआ है।

श्री दीक्षित सर ने बताया कि योग मुख्यतः चार प्रकार के होते हैं– राज योग, कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग। योग के अंतर्गत उन्होने तुला आसन, त्रिकोण आसान, ताड़ आसन, नौका आसन, सूर्य नमस्कार के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ शरीर के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिये इसके लाभ बतायें। हृदय, फेफड़े, यकृत, पेट, पाचन शक्ति, माइग्रेन एवं मोटापे से मुक्ति के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिये। योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है। दीक्षित सर ने शारीरिक, मान्सिक और आत्मिक शुद्धि के लिये आष्टांग योग जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि पर विस्तृत चर्चा की।

इस एक दिवसीय सेमीनार से लगभग 80 विद्यार्थी और प्राध्यापक लाभांवित हुये। इतिहास विभाग के अंतर्गत योग विषय पर प्रारंभिक चर्चा डॉ. मधुसूधन प्रकाश ने, विभिन्न आसनों पर प्रो. पुष्पादेवी साहू ने भी अपने विचार एवं प्रश्न रखे। अंत में आभार डॉ. एकता पाल द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय तेलंग सर ने सभी को बधाई दी।

(2) शैक्षणिक भ्रमण– दिनांक 14 मार्च 2022 को भोपाल से 45 कि.मी. दक्षिण में स्थित भीमबेठका में 38 विद्यार्थियों के साथ शैक्षणिक भ्रमण (इतिहास विभाग) द्वारा ले जाया गया। जो प्रागैतिहासिक कला का प्रहरी होने के साथ–साथ भारतीय स्थापत्य कला का अनुपम खजाना है। इन पुरातात्विक गुफाओं की खोज पुरातात्विक विशेषज्ञ डॉ.वी.एस. वाकाणकर ने 1958 ई. पू. में की। इसका नाम पौराणिक महाभारत काल के पांच पाण्डवों में से एक भीम के नाम पर पड़ा है।

यहां करीब 600 गुफायें हैं, यहां उकेरे गये चित्र उनकी जीवनशैली और सांसारिक गतिविधियों को दर्शाते हैं। मौलिक रूपरेखा और रंगों के निपुण चयन ने हमारे पूर्वजों की इन गतिविधियों में जान डाल दी है। इसे यूनेस्कों ने विश्व विरासत स्थल में शुमार किया है। (वर्ष 2003)

विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों जैसे जन्म–मरण, धार्मिक अनुष्ठान, नृत्य, शिकार खेलना, आखेट दृश्य और आमोद प्रमोद को इन चित्रों में स्थान दिया गया है। बाघ, गेंडा, जंगली भैस, भालू, मृग, सुअर, शेर, हाथी आदि को इन चित्रों में देखा जा सकता है। इन चित्रकारियों में लाल और सफेद रंग का प्रयोग एवं किसी–किसी में हरे और पीले रंग का प्रयोग भी किया गया है। यह देखना आश्चर्यजनक है कि कई युगों बाद भी चित्रकारी में भरे गये रंग आज भी वैसे ही बने हुये हैं। यहां सबसे पुरानी चिकारी करीब 12 हजार साल पुरानी हैं। करीब 12 गुफायें ही पर्यटकों के लिये खुली है।

भीमबेठका मानव विकास का प्रारंभिक स्थान भी माना जाता है। इसलिये विद्यार्थी एवं पर्यटक यहा जाना पसंद करते है। इतिहास विभाग से डॉ. मधुसूदन प्रकाश , प्रो. पुष्पादेवी साहु साम्मिलित हुये वहीं डॉ एकता पाल ने विद्यार्थियों को भीमबेठका के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की प्रभारी प्राचार्य डॉ संजय तेलंग ने शैक्षणिक भ्रमण के सफल आयोजन के लिये विद्यार्थियों एवं इतिहास विभाग के प्राध्यापकों को बधाई प्रेषित की।

SHOT ON REDMI K20
RAVENDRA TANWAR

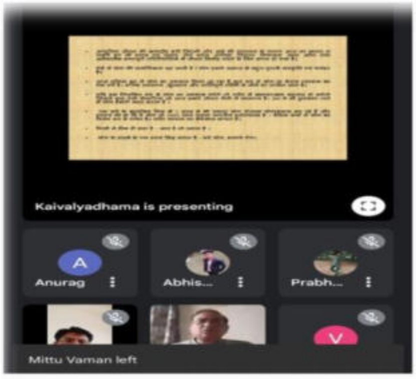
Kaivalyadhama is presenting
Anurag
Abhis...
Prabh...
Mittu Vaman left

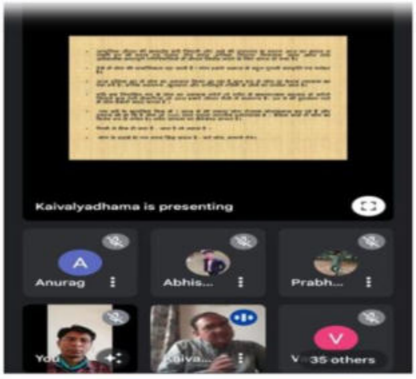
Kaivalyadhama is presenting
Anurag
Abhis...
Prabh...
35 others

Anurag
Abhishek
Sandhya
Sanjay
Rocky
satish
51 others

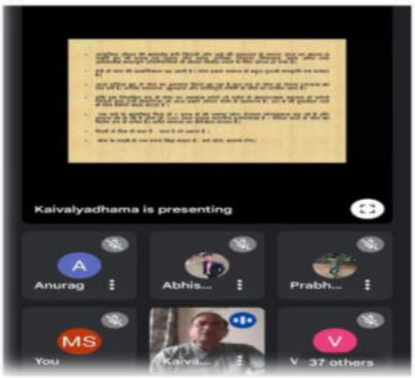
Kaivalyadhama is presenting
Anurag
Abhis...
Prabh...
MS
You
37 others

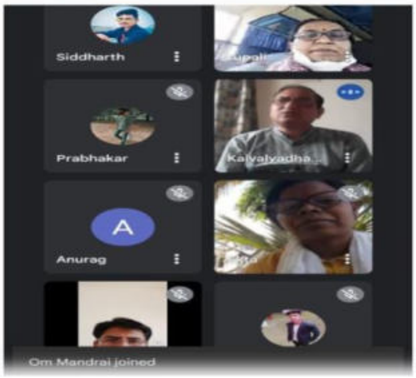
Siddharth
Prabhakar
Kaivalyadha...
Anurag
Om Mandrai joined

गृहविज्ञान विभाग

(1) वेबीनार– विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 14/03/2022 को एक Online Webinar का आयोजन किया गया। वेबीनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. स्मृति श्रीवास्तव (पी.एचडी., यू.जी.सी. नेट, एम.सी.ए.) ने ''Fulfilling Relationships" (A Relationship Enhancement Webinar) विषय पर व्याख्यान दिया। दिनांक 14.03.2022 दिन सोमवार को गृहविज्ञान विभाग में विश्व बैंक के तत्वाधान में तथा विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी सक्सेना के मार्गदर्शन में ''Fulfilling Relationships" (A Relationship Enhancement Webinar) विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार की मुख्यवक्ता डॉ. स्मृति श्रीवास्तव रही। वेबिनार की शुरूआत प्रभारी प्राचार्य, के उद्बोधन तथा विभागाध्यक्ष के उद्बोधन द्वारा हुई। वेबीनार में डॉ. कीर्ति जैन, प्रभारी विश्व बैंक, डॉ इला जैन संयोजक तथा अन्य प्राध्यपकों ने भाग लिया। वेबिनार में डॉ. स्मृति श्रीवास्तव ने पारिवारिक संबंधों में आने वाली व्यवहारिक समस्याओं कारण व समायोजन को विस्तार पूर्वक समझाया। उन्होनें यह भी बताया की कैसे समायोजन की छोटी–छोटी ट्रिक्स अपनाकर छात्र–छात्रायें अपने संबंधों को खुशहाल बना सकते हैं। इस वेबिनार में गृहविज्ञान के छात्र–छात्राओं सहित महाविद्यालय परिवार के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक के साथ–साथ अन्य महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्शायी। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निशा यादव ने किया व आभार डॉ. रूची सोनी ने किया। तकनीकी सहयोग श्री कपिल कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

(2) शैक्षणिक भ्रमण– विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 16/03/2022 को 'प्राकृत' शासकीय रेशम उत्पादन एवं प्रशिक्षण केन्द्र मालाखेड़ी जिला होशंगाबाद का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। यह भ्रमण विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी सक्सेना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसमें गृह विज्ञान के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के कुल 23 छात्र–छात्राओं को होशंगाबाद जिले के मालाखेड़ी स्थित ''प्राकृत'' शास. रेशम उत्पादन एवं प्रशिक्षण केन्द्र ले जाया गया, जहां वहां के निदेशक डॉ. शरद श्रीवास्तव के द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र का भ्रमण करवाया गया तथा छात्र–छात्राओं को रेशम के कीड़े के जीवन चक्र से लेकर रेशम के ककून का संग्रहण एवं ककून से धागा बनाना तथा उससे वस्त्रों का निर्माण तक की प्रक्रिया दिखाई गई, साथ ही विद्यार्थियों को रेशम ककून संग्रह से संबंधित व्यवसायिक जानकारी भी दी गई जिससे छात्र–छात्रायें भविष्य में इससे जुड़े व्यवसाय जुड़ सकें। इस दौरान गृहविज्ञान के समस्त सहायक प्राध्यापक डॉ. रूची सोनी, श्रीमती भारती गोस्वामी व श्रीमती निशा यादव भी उपस्थित रहीं।

भूगोल विभाग

(1) वेबीनार– भूगोल विभाग द्वारा एकेडमिक एक्सीलेंस MPHEQIP के अंतर्गत दिनांक 16/03/2022 को एक वेबीनार का आयोजन किया गया था जिसका विषय ''टूरिज्म–भौगोलिक भ्रमण'' था। जिसके अंतर्गत डॉ. प्रशांत आर तोरवणे, सहायक प्राध्यापक P.S.G.V.P. Mandalis Shri S.P. Art, GBP Science & S.T.K.V.S. Commerce College, Shahada Dist.-Nandurbar Maharastra को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया था। जिसमें उन्होने टूरिज्म की संकल्पना तथा वर्तमान में टूरिज्म के महत्व को बताया तथा साथ ही भौगोलिक भ्रमण और टूरिज्म पर ताथ्या दिया। व्याख्यान में प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय तैलंग, विश्व बैंक प्रभारी डॉ. कीर्ति जैन तथा संयोजक डॉ. इला जैन सहित सभी प्राध्यापकों ने भाग लिये।

(2) शैक्षणिक भ्रमण– भूगोल विषय द्वारा एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत 16 मार्च 2022 को भौगालिक भ्रमण हेतु हलाली डेम ले जाया गया जो रायसेन जिले के अंतर्गत है जिसमें लगभग 40 विद्यार्थी उपस्थित हुये। हलाली डेम (सम्राट अशोक सागर परियोजना) हलाली नदी पर है। भौगोलि भ्रमण विषय का अनिवार्य अंग है जिसमें विद्यार्थी भौगोलिक भ्रमण द्वारा वास्तविक ज्ञान प्राप्त करते हैं। यह भ्रमण पुस्तकीय ज्ञान के व्यवहरिक पहलू को जानने हेतु अत्यन्त उपयोगी है। इस भ्रमण में विद्यार्थियों द्वारा कर्क रेखा का अवलोकन किया गया। कर्क रेखा भारत के लगभग मध्य से गुजरने वाली काल्पनिक रेखा है जो 23 ½ “ अक्षांश पर स्थित है। इसके उपरान्त हलाली बांध का भ्रमण किया गया। बांध के अवलोकन के द्वारा विद्यार्थियों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस तरह से एक अत्यन्त सफल एवं ज्ञानवर्धक भ्रमण संपन्न हुआ।